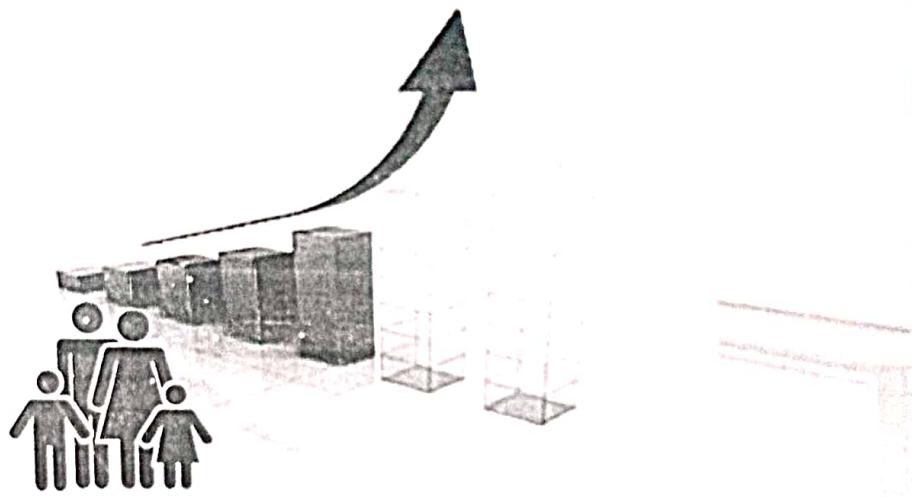


2017-18

ISBN 978-81-921694-8-4

25 Years of Human Development Report : Concept, Issues and Challenges



Editors

Dr. Prashant Haramkar

Dr. Jairam Gaikwad

Dr. Vanita Chore

Dr. Rajshree Raibhog

Kautilya Dnyan Prabhodhini, Amravati.

312

25 Years of Human Development Report : Concept, Issues and Challenges

☒ ISBN 978-81-921694-8-4

☒ Editors : Dr. Prashant Haramkar
Dr. Vanita Chore
Dr. Jairam Gaikwad
Dr. Rajshree Raibhog

☒ Published By : Centre for Economic and Social Studies,
12, Gulmohar Colony, Camp, Amravati.
Phone No. (0721) 2661851

☒ Copyright : All rights reserved by Publisher

☒ First Edition : 18th August, 2017.

☒ Price : ₹ 200/-

☒ Design & Printed By : Computer Network, Amravati.
(Narendra Pandharikar)

314

| | | | |
|-----|--|--------------------------------------|-----|
| १७) | यु.एन.डी.पी. चा हयुमन डेव्हलपमेंट रिपोर्ट, २००५ असमानता आणि मानव विकास | युगुदिनी भाऊराय जोगी | १०७ |
| १८) | यु.एन.डी.पी. (UNDP) मानव विकास अहवाल २०१६ : भारत य चीन तौलानिक अध्ययन | घनिता घोरे | ११० |
| १९) | मानवीय विकास अहवाल : दशक २००६-२०१६ एक विश्लेषणात्मक अध्ययन | भृणालिनी फडण्याईस प्राची देशपांडे | ११४ |
| २०) | मानव विकास आणि सहजावधी विकासाची उद्दीष्ये | वैभव रोशराय अर्मज | ११४ |

**Subsection III : Globalization, Markets & Human Development,
Policy Issues.**

| | | | |
|-----|--|---------------------------------|-----|
| २१) | Sustainable Development in the era of Globalization | Sanjay Katait | १२८ |
| २२) | Effective Parameters to measure of Human Development Index and its role in South Asian countries | Umendra Sangolkar | १३१ |
| २३) | Globalization, Market and Human Development | Anand B. Kale | १४० |
| २४) | Social Exclusion & Human Development in Globalization | Archana V. Bajaj (Bhangdia) | १४२ |
| २५) | जागतिकीकरणाला मानवी चेहरा असू शकतो का ? निर्वाळा यु.एन.डी.पी.च्या मानव विकास अहवालांचा | प्रशांत हरमकर | १५० |
| २६) | जागतिकीकरणातील भारतीय मानव विकास -एक दृष्टीक्षेप | जयंत एम.वनसोड | १५१ |
| २७) | मानवी विकास निर्देशांक - स्वरूप व सद्यःस्थिती | सौ. तृप्ती कवळे सुभाष पाटील | १६४ |
| २८) | विदर्भातील मानव विकासाच्या निर्धारक घटकांचे अध्ययन | एम. के. ननावरे संतोष एन.ताडे | १७१ |
| २९) | मानव विकास निर्देशांक : आंतरराष्ट्रीय तुलना | अशोक टिपरसे | १७१ |

मानव विकास निर्देशांक : आंतरराष्ट्रीय तुलना

अशोक टिपरसे

प्रस्तावना :

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (युएनडीपी) तरफे दरवर्षी प्रकाशित होणाऱ्या या वर्षाचा (२०१६) मानव विकास अहवाल म्हणजे २०१५ या वर्षात करण्यात आलेल्या व्यापक सर्वक्षण आणि अभ्यासांच्या आधारे जागतिक मानव विकासाच्या लेखाजोखा सर्वांगीण विकासाच्या बाबतीत राष्ट्राची प्रगती मोजण्यासाठी मानवी विकास निर्देशांक तयार करण्यात आला आहे. हा निर्देशांक निश्चित करण्यासाठी ३ परिमाणे निर्धारित करण्यात आली आहेत. दिर्घ आणि आरोग्यमय आयुष्य, ज्ञानप्राप्तीच्या सुविधा आणि साधारण प्रतीचे राहणीमान. निर्देशांकाच्या मांडणीसाठी प्रत्येक देशातील ४ प्रकारच्या आकडेवारीची तुलनात्मक जुळवणी करण्यात येते. जन्माच्या वेळी अपेक्षित आयुष्यमान, प्रीढ नागरिकांच्या शाळेचा मध्यांक, शाळेत प्रवेश घेणाऱ्या विद्यार्थ्यांची शाळेतील अपेक्षित वर्षे आणि दरडोई उत्पन्न. या चार प्रकारच्या आकडेवारीवरून तीन परिमाणे निर्धारीत करत प्रत्येक देशाचे चार निर्देशांक तयार करण्यात येतात. बहुआयामी गरिबी निर्देशांक तयार करण्यात येतात. बहुआयामी गरिबी निर्देशांक, लैंगिक विषमता निर्देशांक, विषमता आधारित मानव विकास निर्देशांक आणि लैंगिक विकास निर्देशांक. या प्रमुख तीन निकापांच्या आधारे प्रत्येक देशाचा मानव विकास निर्देशांक निश्चित

करण्यात आला असुन त्याआधारे १८८ देशांची क्रमवारी निश्चीत करण्यात आली आहे.

UNDP चा २०१६ चा मानव विकास अहवाल ३१ मार्च २०१७ रोजी प्रकाशित करण्यात आला. मानव विकास सर्वांसाठी (Human Development For Everyone) हे या वर्षाच्या अहवालाचे बोधवाक्य आहे. त्या अहवालानुसार एकूण १८८ देशांच्या मानव विकासाबाबत कार्याचा आढावा घेण्यात १८८ राष्ट्रांमधून ०.६२४ गुण मिळवून भारत मानव विकासाच्या क्रमवारीत १३१ व्या स्थानी राहिला. (गतवर्षी भारत १३० व्या स्थानी तर सन २०१४ मध्ये भारत १३१ व्या स्थानी होता.) नार्वे, ऑस्ट्रीलिया आणि स्विज़र्लंड हे अनुक्रमे ०.९४९, ०.९३९, ०.९३९ गुणांनी जगातील १८८ देशामध्ये HDI बाबत अव्वल स्थानी अहेत.

मानव विकास म्हणजे कायः

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रमाने मानव विकासाची व्याख्या लोकांच्या निवडीच्या कक्षा रुदावण्याची प्रक्रिया अशी केली असून यामध्ये आरोग्यदायी व दीर्घायुष्य, सुशिक्षित होणे, दर्जेदार राहणीमान, तसेच राजकीय स्वातंत्र्य, इतर मानवी हक्कांची हमी व आत्म सन्मानाने विविध घटक निवडण्याची अनुमती आहे. मानव विकास निर्देशांक (माविनि) हा आरोग्यदायी व दीर्घायुष्य, ज्ञानार्जनाची

(१७९)

संधी व दर्जेदार राहणीमान या तीन मानवी विकासाचे दीर्घकालीन प्रगतीचे मोजमाप करून मूल्यांकन करण्याचा संयुक्त निर्देशांक आहे.

२०१० मध्ये हा निर्देशांक ज्या घटकावरून काढला जातो. त्यात बदल करण्यात आला. त्यानुसार भा.वि.निर्देशांक पुढील आयाम आहेत.

मानव विकास निर्देशांकाचे घटक :

HDI २०१५ या वर्षी एकूण १८८ देशांची तुलना करून हा निर्देशांक निश्चित करण्यात आला हा निर्देशांक तयार करत असताना पुढील तीन प्रमुख निर्देशांकाचा वापर केला जातो.

तक्ता क्र. १

मानव विकास निर्देशांकांची रचना

| अ.क्र. | परिमाण | निर्देशांक | किमान मूल्य | कमाल मूल्य |
|--------|-------------------|--|-------------|------------|
| १ | आरोग्य | जन्मवेळेचे अपेक्षित आर्युमान | २० | ८५ |
| २ | ज्ञानाची उपलब्धता | शिक्षणाचे सरासरी वर्ष | ०० | १८ |
| ३ | राहणीमानाचा दर्जा | शिक्षणाचे अपेक्षित वर्ष द्वोबळ राष्ट्रीय उत्पन्न (दरडोई क्रयशक्ती PPP) | ०० १०० | १५ ७५ |

प्रत्येक राष्ट्राच्या स्थितीचा अभ्यास करण्यासाठी वरील तीन निकषांचा भुमितीमध्य (Geometric Mean) काढला जातो. HDI = ३ (दीर्घायु जीवन X ज्ञान X राहणीमानाचा दर्जा)

वरील सुत्रानुसार मानव विकासाचे पुढील ४ गट या अहवालामध्ये केले आहे. यामध्ये ०.६२४ गुणांसह भारत मध्यम मानवी विकास गटात मोडतो.

तक्ता क्र. २

मानव विकास निर्देशांकांच्या आधारे वर्गीकरण

| गट | गुण | क्रमवारी |
|---------------------|--------------------|------------|
| अतिउच्च मानवी विकास | ०.८०० पेक्षा जास्त | १ ते ४९ |
| उच्च मानवी विकास | ०.७०० ते ०.७९९ | ५० ते १०५ |
| मध्यम मानवी विकास | ०.५५० ते ०.६९९ | १०६ ते १४४ |
| कमी मानवी विकास | ०.५५० पेक्षा कमी | १४५ ते १८८ |

जगातील काही विकसनशील आणि विकसित राष्ट्रांचा मानव विकास निर्देशांक व क्रमांक :

जागतिक क्रमवारीत भारत ०.६२४ मुल्यासह १३१ व्या स्थायी अर्थात तळाकडून ५२ व्या क्रमांकावरआहे. जागतिक महासत्ता बनण्याची आकांक्षा बाळगणांच्या देशासाठी एकूण १८८ देशांच्या तुलनात्मक अहवालात एवढे खालचे स्थान मिळावे

हे लाजिरवाणे आहे. भारताच्या प्रमुख शेजारी देशांपैकी श्रीलंकेने ०.७६६ मुल्यासह ७२ वे स्थानआणि चीनने ०.७१९ मुल्यासह ९० वे स्थान प्राप्त केले आहे. ०.५७९ मुल्यासह बांग्लादेश १३९ व्या स्थानावर आहे. नेपाळ ०.५५८ मुल्यासह १४४ व्या स्थानावर, तर पाकिस्तान ०.५५० मुल्यासह १४७ व्या स्थानी आहे.

* (१८०)

तक्ता क्र. ३

जगातील काही विकसनशील आणि विकसित राष्ट्रांचा मानव विकास निर्देशांक व क्रमांक
तक्ता क्र. ३

| देश | मानव विकास निर्देशांक | | जन्मावेळेचे अपेक्षित आयुमान | अपेक्षित शालेय | सरासरी शालेय | प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय |
|----------------|-----------------------|-------|-----------------------------|----------------|--------------|-----------------------------|
| | गुण | क्रं. | | | | |
| नॉर्वे | 0.949 | 1 | 81.7 | 17.7 | 12.7 | 67614 |
| आस्ट्रोलिया | 0.939 | 2 | 82.5 | 20.4 | 13.2 | 42822 |
| स्विझलॅड | 0.939 | 3 | 83.1 | 16 | 13.4 | 56364 |
| जर्मनी | 0.926 | 4 | 81.1 | 17.1 | 13.2 | 45000 |
| डेन्मार्क | 0.925 | 5 | 80.4 | 19.2 | 12.7 | 44519 |
| स.रा.अमेरिका | 0.920 | 10 | 79.2 | 16.5 | 13.2 | 53245 |
| युके | 0.909 | 16 | 80.8 | 16.3 | 13.3 | 37931 |
| जपान | 0.903 | 17 | 83.7 | 15.3 | 12.5 | 37268 |
| फ्रान्स | 0.897 | 21 | 82.4 | 16.3 | 11.6 | 38085 |
| ब्राजील | 0.754 | 79 | 74.7 | 15.2 | 7.8 | 14145 |
| रूस | 0.804 | 49 | 70.3 | 15 | 12 | 23296 |
| भारत | 0.624 | 131 | 68.3 | 11.7 | 6.3 | 5663 |
| चीन | 0.738 | 90 | 76 | 13.5 | 7.6 | 13345 |
| दक्षिण अफ्रिका | 0.666 | 119 | 57.7 | 13 | 10.3 | 12087 |
| श्रीलंका | 0.766 | 73 | 75 | 14 | 10.9 | 10789 |
| पाकिस्तान | 0.55 | 147 | 66.4 | 8.1 | 5.1 | 5031 |
| नेपाळ | 0.558 | 144 | 70 | 12.2 | 4.1 | 2337 |
| बांग्लादेश | 0.579 | 139 | 72 | 10.2 | 5.2 | 3341 |
| भुटान | 0.607 | 132 | 69.9 | 12.5 | 3.1 | 7081 |
| अफगाणिस्तान | 0.479 | 169 | 60.7 | 10.1 | 3.6 | 1871 |

Sources : UNDP HDR 2016

मानव विकास निर्देशांक : आंतरराष्ट्रीय तब्लिज़

- १) सन. १९९० (०.४२८) पासून सन २०१५ (०.६२४) पर्यंत भारताचा सतत वाढत आहे. तसेच च्या कालखंडादरम्यान दरवर्षी सुधारणारा

इतर मध्यम मानव विकास राष्ट्रपेक्षा जास्त राहिलेला आहे.

२) HDI २०१५ नुसार भारत एकुण १८८ राष्ट्रमध्ये ०.६०९ गुणानुसार १३० व्या क्रमांकावर होता.

३० अक्टूबर, १९४७ व्या क्रमाकावर होता.

- ३) सन २०१६ च्या मानवी विकास निर्देशांकामध्ये ०.९४४ मुल्यासह जगत प्रथम क्रमांकावर नार्वे देशआहे. नार्वे नंतर ऑस्ट्रेलिया, स्विलिङ्ड यांचा अनुक्रमे दुसरा व तिसरा क्रमांक तर अमेरिका १० व्या क्रमांकावर आहे. या एच.डी.आय. मधील १७ देशाचे मुल्य ०.९०० पेक्षा अधिक आहे.
- ४) १८८ पैकी ४९ देश अतिउच्च मानव विकास निर्देशांक असणारे देश आहेत. त्यांचे निर्देशांक असणारे देश आहेत. त्यांचे निर्देशक मुल्य ०.८०० पेक्षा अधिक आहे. १८८ पैकी ५६ देश उच्च मानवी विकास निर्देशांक असणारे देश आहेत. त्यांचे मुल्य ०.७०० पेक्षा अधिक आहे. १८८ पैकी ३८ देश मध्यम मानव विकास निर्देशांक असणारे देश आहेत. तर त्यांचे निर्देशांक मुल्य ०.५५० पेक्षा अधिक आहे. तर १८८ पैकी ४३ कमी मानव विकास निर्देशांक असणारे देश आहेत. त्यांचे मुल्य ०.५५० पेक्षा अधिक आहे.

संदर्भ :

- १) Maharashtra Human Development Report 2012 : Towards inclusive Human Development Yashwant Chavan Academy of Development Administration, Pune.

- 2) Government of Maharashtra (2015-16) Economic Survey of Maharashtra Directorate of Statistics and Economics.
- 3) जापव तुकाराम, महाराष्ट्र वार्षीक, द.युनिक अऱ्कडगी, पुणे. डॉ.अशोक टिपर्से (२०१३) मानवी विकासातील लिंग समानतेची भूमिका, - Male - Female Ratio imbalance in India, Y.C.M. College, Ambajogai.
- 4) Dr. Tiparse Ashok (2016) : Empowerment of women and Empowerment of Nation, Women National conference Empowerment . S.M.shirur Anantpal, Latur.
- 5) Dr. Tiparse Ashok (2016) : Impact of Human Development an economic progress arthvichar National Registered and Referred Research Journal, MEA.

□□□

* (१८२)